



2026:AHC:26174

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

रिट - सी सं. - 4587 सन् 2026

जय किशुन

.....याचिकाकर्ता(गण)

बनाम

उ.प्र. राज्य और 47 अन्य

.....प्रतिवादी(गण)

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता(गण) : रूप शांडिल्य, विनय कुमार मिश्रा

प्रतिवादी के अधिवक्ता(गण) : सी.एस.सी., सुधीर भारती

न्यायालय सं. - 6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया

1. याचिकाकर्ताओं के विद्वान अधिवक्ता और राज्य-प्रतिवादियों की ओर से उपस्थित विद्वान स्थायी अधिवक्ता को सुना।
2. आज पारित किए जाने वाले प्रस्तावित आदेश को ध्यान में रखते हुए, निजी प्रतिवादीगण को नोटिस जारी करने की आवश्यकता नहीं है।
3. वर्तमान रिट याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा प्रतिवादी संख्या 2, अर्थात् अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक), कुशीनगर को उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 30 के तहत निर्धारित अवधि के भीतर मानचित्र में सुधार के लिए आवेदन संख्या 3037 सन् 2025 (कम्प्यूटरीकृत संख्या D202505440003037) जय किशन और अन्य बनाम वीरेंद्र और अन्य) की लंबित कार्यवाही का निर्णय लेने का निर्देश देने के लिए की गई एकमात्र प्रार्थना है।
4. उपस्थित पक्षों के अधिवक्ता को सुना और रिकॉर्ड का अवलोकन किया।
5. पक्षों के अधिवक्ता की सहमति से, वर्तमान रिट याचिका का निस्तारण किया जाता है, जिसमें प्रतिवादी संख्या 2, अर्थात् अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक), कुशीनगर को याचिकाकर्ता द्वारा दायर उपरोक्त मामले का कानून के अनुसार तेजी से तय करने का, बिना किसी अनावश्यक स्थगन के, जब तक कि कोई कानूनी बाधा न हो, निर्देश दिया जाता है।

(न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया)

फरवरी 5, 2026

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"